॥ श्री तुलसी माता की आरती ॥

जय जय तुलसी माता, मैय्या जय तुलसी माता ।

सब जग की सुखदाता, सबकी वर माता ॥ ॥ ॐ जय तुलसी माता... ॥

सब योगों से ऊपर, सब रोगों से ऊपर ।

रज से रक्षा करके, सबकी भवत्राता ॥ ॥ ॐ जय तुलसी माता... ॥

बटु पुत्री है श्यामा, सुर बल्ली ग्राम्या ।

विष्णुप्रिये जो तुमको सेवे, सो नर तर जाता ॥ ॥ ॐ जय तुलसी माता... ॥

हरि के शीश विराजत, त्रिभुवन से वंदित ।

पतित जनों की तारिणी, तुम हो विख्याता ॥ ॥ ॐ जय तुलसी माता... ॥

लेकर जन्म विजन में, आईं दिव्य भवन में ।

मानव लोक तुम्हीं से, सुख-संपत्ति पाता ॥ ॥ ॐ जय तुलसी माता... ॥

हरि को तुम अति प्यारी, श्याम वर्ण सुकुमारी ।

प्रेम अजब है उनका, तुमसे कैसा नाता ॥ ॥ ॐ जय तुलसी माता... ॥

हमारी विपद हरो तुम, कृपा करो माता ।

जय जय तुलसी माता, मैय्या जय तुलसी माता ॥ ॥ ॐ जय तुलसी माता... ॥

****

Visit Website : https://www.PDFSeva.Net